



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 151]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 23, 2011/चैत्र 2, 1933

No. 151]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 23, 2011/CHAITRA 2, 1933

श्रम और रोजगार मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मार्च, 2011

**सा.का.नि. 230(अ).**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के परामर्श से कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948(1948 का 34) की धारा 95 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) नियम, 1950 में संशोधन करने का प्रस्ताव करती है जिसके कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप इससे प्रभावित होने वाले सभी संभावित व्यक्तियों की सूचनार्थ उक्त धारा की उप धारा (1) की यथा अपेक्षानुसार एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है तथा एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि उक्त प्रारूप नियमों पर, शासकीय राजपत्र की उन प्रतियों को जिनमें यह अधिसूचना प्रकाशित की गई है, जनता को उपलब्ध कराने की तारीख से तीस दिन की अवधि की समाप्ति के बाद विचार किया जाएगा;

किसी व्यक्ति से उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में ऊपर विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर प्राप्त किसी आपत्ति अथवा सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा;

आपत्तियां तथा सुझाव, यदि कोई हो, अवर सचिव, श्रम और रोजगार मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ई-मेल : [sd.xavier@nic.in](mailto:sd.xavier@nic.in)) को भेजे जाएं।

### प्रारूप नियम

1. (1) ये नियम कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) संशोधन नियम, 2011 कहलाएंगे ।  
 (2) ये शासकीय राजपत्र में इनके अंतिम प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे ।
2. कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) नियम, 1950 में, -  
 (1) नियम-2 में;  
 (i) खण्ड (1क) को निम्नलिखित खण्ड से प्रतिस्थापित किया जाएगा;  
 "(1क) - किसी कर्मचारी के संबंध में "अभिदाय कालावधि के दौरान औसत दैनिक मजदूरी" से अभिप्राय उस कालावधि के दौरान उसे संदेय मजदूरी की कुल राशि को दिनों की संख्या, जिसके लिए ऐसी मजदूरी संदेय थी, से विभाजित करके प्राप्त राशि से है"  
 (ii) खण्ड (7क) को निम्नलिखित खण्ड से प्रतिस्थापित किया जाएगा:  
 7.क.-"मानक प्रसुविधा दर" से अभिप्राय अभिदाय कालावधि के दौरान संदत कुल मजदूरी को दिनों की संख्या, जिनके लिए मजदूरी संदत की गई थी, से विभाजित करने पर प्राप्त औसत दैनिक मजदूरी से है"  
 (2) नियम 52 में, "सत्तर रुपये" शब्द को "सौ रुपये" शब्द से प्रतिस्थापित किया जाएगा ;  
 (3) नियम 54 हटाया जाएगा ;  
 (4) नियम-55 में, उप नियम (2) को निम्नलिखित उप-नियम से प्रतिस्थापित किया जाएगा,  
 अर्थात्:-  
 "(2).-किसी प्रसुविधा कालावधि के दौरान किसी व्यक्ति के संबंध में बीमारी प्रसुविधा की दैनिक दर तदनुरूपी अभिदाय कालावधि के दौरान उस व्यक्ति की मानक प्रसुविधा दर की अगले उच्चतर रुपये तक पूर्णांकित 70 प्रतिशत होगी ।"

- (5) नियम-56 में, उप नियम (5) को निम्नलिखित उप-नियम से प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"(5).-किसी प्रसुविधा कालावधि के दौरान होने वाले अथवा संभावित प्रसव के संबंध में संदेय प्रसूति प्रसुविधा की दैनिक दर तदनुरूपी अभिदाय कालावधि के दौरान बीमाकृत महिला के संबंध में मानक प्रसुविधा दर अगले उच्चतर रुपये तक पूर्णांकित अथवा पच्चीस रुपये, जो भी अधिक हो, के समान होगी।"

- (6). नियम-57 में, उप-नियम (3) में,-

(i) खण्ड (क) को निम्नलिखित खण्ड से प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"(क) निःशक्तता प्रसुविधा की दैनिक दर प्रसुविधा कालावधि जिसमें रोजगार चोट लगी है, की तदनुरूपी अभिदाय कालावधि में मानक प्रसुविधा दर की अगले उच्चतर रुपये तक पूर्णांकित 90 प्रतिशत होगी।";

(ii) खण्ड (ख) को निम्नलिखित खण्ड से प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"(ख) जहाँ किसी व्यक्ति के संबंध में पहली प्रसुविधा कालावधि के आरंभ होने से पूर्व रोजगार चोट लगती है, वहां निःशक्तता प्रसुविधा की दैनिक दर होगी-

(i) जहां कोई व्यक्ति उस अभिदाय कालावधि जिसमें चोट लगी है, में प्रथम मजदूरी कालावधि की समाप्ति के पश्चात् रोजगार चोट से चोटिल रहता है, वहां उस मजदूरी कालावधि में उसकी औसत दैनिक मजदूरी की, अगले उच्चतर रुपये तक पूर्णांकित, 90 प्रतिशत होगी :

(ii) जहां कोई व्यक्ति उस अभिदाय कालावधि जिसमें चोट लगी है, में प्रथम मजदूरी कालावधि की समाप्ति से पूर्व रोजगार चोट से चोटिल रहता है, वहां उसकी अर्जित वास्तविक मजदूरी अथवा जो वह अर्जित करता, यदि वह दुर्घटना की तारीख को पूरे दिन काम करता, का अगले उच्चतर रुपये तक पूर्णांकित, 90 प्रतिशत होगी।

स्पष्टीकरण - उपरोक्तानुसार आंकलित निःशक्तता प्रसुविधा "पूर्ण दर" कही जाएगी।

(7) नियम-58 में, उप नियम (2) को निम्नलिखित उप-नियम से प्रतिस्थापित किया जाएगा,  
अर्थात्:-

"2 (क) आश्रित प्रसुविधा की दैनिक दर प्रसुविधा कालावधि जिसमें रोजगार चोट लगी है, की तदनुरूपी अभिदाय कालावधि में मानक प्रसुविधा दर का 90 प्रतिशत होगी।

(ख) किसी व्यक्ति के संबंध में पहली प्रसुविधा कालावधि आरंभ होने से पूर्व रोजगार चोट लगती है तो आश्रित प्रसुविधा की दैनिक दर होगी:-

(i) जहां कोई व्यक्ति उस अभिदाय कालावधि जिसमें चोट लगी है, में पहली मजदूरी कालावधि की समाप्ति के पश्चात् रोजगार चोट से चोटित रहता है वहां उस मजदूरी कालावधि के दौरान उसकी औसत दैनिक मजदूरी का, अगले उच्च रुपये तक पूर्णांकित, 90 प्रतिशत।

(ii) जहां कोई व्यक्ति उस अभिदाय कालावधि, जिसमें चोट लगी है, में प्रथम मजदूरी कालावधि की समाप्ति से पूर्व रोजगार चोट से चोटिल रहता है वहां अर्जित वास्तविक मजदूरी अथवा जो वह अर्जित करता यदि वह दुर्घटना की तारीख को पूरे दिन काम करता, का अगले उच्च रुपये तक पूर्णांकित, 90 प्रतिशत।"

[सं. एस-38012/1/2011-सा.सु.-1]

रवि माथुर, अपर सचिव

**टिप्पणी :** प्रधान नियम अधिसूचना संख्या का.नि.आ. 212, दिनांक 22 जून, 1950 द्वारा भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में प्रकाशित किए गए थे तथा अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 224, दिनांक 4 दिसम्बर, 2010 द्वारा पिछला संशोधन किया गया।

**MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 23rd March, 2011

**G.S.R. 230(E).**—The following draft of certain rules further to amend the Employees' State Insurance (Central) Rules, 1950, which the Central Government, after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, proposes to make in exercise of the powers conferred by section 95 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), is hereby published as required by sub section (1) of the said section for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after expiry of a period of thirty days from the date on which copies of the Official Gazette in which this notification is published, are made available to the public;

Any objection or suggestion, which may be received from any person in respect of the said draft rules within the period specified above, will be considered by the Central Government;

The objections and suggestions, if any, may be addressed to Under Secretary, Ministry of Labour and Employment, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001 (e.mail: sd.xavier@nic.in).

**DRAFT RULES**

1. (1) These Rules may be called the Employees' State Insurance (Central) Amendment Rules, 2011.  
(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Employees' State Insurance (Central) Rules, 1950, -
  - (1) in rule 2, -
    - (i) for clause (1A), the following clause shall be substituted, namely: -

105040/11-2

‘(1A) “average daily wages during a contribution period” in respect of an employee, means the aggregate amount of wages payable to him during that period divided by the number of days for which such wages were payable.’;

(ii) for clause (7A), the following clause shall be substituted, namely: -

‘(7A) “standard benefit rate” means average daily wages obtained by dividing the total wages paid during the contribution period by the number of days for which these wages were paid.’;

- (2) in rule 52, for the words “rupees seventy”, the words “rupees one hundred” shall be substituted;
- (3) rule 54 shall be omitted;
- (4) in rule 55, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely: -

“(2) The daily rate of sickness benefit in respect of a person during any benefit period shall be seventy per cent. of the standard benefit rate of that person during the corresponding contribution period rounded to the next higher rupee.”;

- (5) in rule 56, for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely: -

“(5) The daily rate of maternity benefit payable in respect of confinement occurring or expected to occur during any benefit period shall be equal to the standard benefit rate in respect of the insured woman during the corresponding contribution period, rounded to the next higher rupee, or rupees twenty-five, whichever is higher.”;

- (6) in rule 57, in sub-rule (3), -

(i) for clause (a), the following clause shall be substituted, namely: -

“(a) The daily rate of disablement benefit shall be ninety per cent. of the standard benefit rate in the contribution period corresponding to the benefit period in which the employment injury occurs, rounded to the next higher rupee.”;

(ii) for clause (b), the following clause shall be substituted, namely:-

“(b) Where an employment injury occurs before commencement of the first benefit period in respect of a person, the daily rate of disablement benefit shall be -

(i) where a person sustains employment injury after the expiry of the first wage period in the contribution period in which the injury occurs, ninety per cent. of his average daily wages in that wage period, rounded to the next higher rupee;

(ii) where a person sustain employment injury before the expiry of the first wage period in the contribution period in which the injury occurs, ninety per cent. of his wages actually earned or which would have been earned, had he worked for a full day on the date of accident, rounded to the next higher rupee.

Explanation. – The disablement benefit calculated as aforesaid shall be called the “full rate.”;

(7) in rule 58, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely: -

“2 (a) The daily rate of dependant's benefit shall be ninety per cent. of the standard benefit rate in the contribution period corresponding to the benefit period in which the employment injury occurs.

(b) Where an employment injury occurs before the commencement of the first benefit period in respect of a person, the daily rate of dependants' benefit shall be -

(i) where a person sustains employment injury after the expiry of the first wage period in the contribution period in which the injury occurs, ninety per cent. of his average daily wages during that wage period rounded to the next higher rupee;

(ii) where a person sustains employment injury before the expiry of the first wage period in the contribution period in which the injury occurs, ninety per cent. of wages actually earned or which would have been earned had he worked for a full day on the date of accident, rounded to the next higher rupee.”.

[No. S-38012/1/2011-SS-I]

RAVI MATHUR, Addl. Secy.

**Note :** The principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* notification number S.R.O. 212, dated the 22nd June, 1950 and last amended *vide* notification number G.S.R. 224, dated the 4th December, 2010.